● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 श्रीकृष्ण जयंती पर लालू ने केंद्र की मोदी सरकार पर किया प्रहार, भूमिहार समाज...

04 एसएसबी के जवानो ने देशी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ एक युवक गिरफ्तार

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शुक्रवार, 27 अक्टूबर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 261

ईडी के छापे पर भड़कीं ममता बनर्जी

'गंदा खेल खेल रही भाजपा, चाहती है सबका साथ सबका सत्यनाश: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी नीत केंद्र सरकार पर गुरुवार को हमला बोला। ममता ने विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी को 'एक गंदा राजनीतिक खेल' करार दिया। घुटने की चोट के चलते लगभग एक महीने से स्वास्थ्य लाभ ले रहीं ममता बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि (मध्यकालीन शासक) 'मोहम्मद बिन तुगलक' की तरह बीजेपी कई गलत निर्णय लेकर देश के इतिहास को बदलने का प्रयास कर रही है। इनमें नोटबंदी और माल और सेवाकर (जीएसटी) लागू करना शामिल हैं।

टीएमसी प्रमुख बनर्जी ने स्कूली पाठ्यपुस्तकों में 'इंडिया' की जगह 'भारत' नाम का इस्तेमाल करने के राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के प्रस्ताव को लेकर भी निशाना साधा। कालीघाट मंदिर के पास अपने आवास पर जल्दबाजी में बुलाए एक संवाददाता सम्मेलन में ममता बनर्जी ने कहा कि बीजेपी कहती है कि वह 'सबका साथ सबका विकास' चाहती है, लेकिन वास्तव में इसका मतलब 'सबका साथ सबका सत्यनाश' है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने राशन वितरण के करोड़ों रुपये के कथित घोटाले के संबंध में जारी जांच के सिलसिले में पश्चिम बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक और अन्य के परिसरों पर गुरुवार तड़के छापेमारी शुरू की। ईडी ने इसके साथ ही कथित परीक्षा पेपर लीक मामले में धनशोधन जांच के तहत जयपुर और सीकर में राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के परिसरों पर भी छापेमारी की।

डबल इंजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है गरीब कल्याण : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि गरीबों का कल्याण डबल इंजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार सच्ची नीयत से गरीब और किसानों को सशक्त करने में जुटी है। प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज यहां साईं बाबा के आशीर्वाद से साढ़े 07 हजार करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। महाराष्ट्र को पांच दशक से जिस निलवंडे डैम का इंतजार था, वो काम भी पूरा हुआ है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 31 को आयेंगे पलामू

पलामू। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 31 अक्टूबर को मेदिनीनगर के पुलिस लाइन स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में बेरोजगार युवाओं को ऑफर लेटर देंगे। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजन कराने को लेकर उपायुक्त शशि रंजन सक्रिय है। इसी के निमित उन्होंने गुरुवार को समाहरणालय के सभागार में जिला स्तरीय विभिन्न पदाधिकारियों संग बैठक की। उन्होंने सभी पदाधिकारी को अलग-अलग टास्क सौंपा। 31 अक्टूबर के दिन मुख्यमंत्री पलामू प्रमंडल अंतर्गत कौशल विकास के तहत चार हज़ार से अधिक युवाओं को ऑफर लेटर सौंपेंगे, वहीं नियोजन विभाग के तहत 600 से अधिक युवाओं को ऑफर लेटर दिया जायेगा। उन्होंने भवन निर्माण के अभियंता को स्टेज की गुणवत्ता व चिंयाकी हेलीपैड पर आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया।

'भाजपा ने चला ईडी दांव' राजस्थान में ताबड़तोड़ छापेमारी

चुनाव आते ही ईडी, सीबीआई, आईटी आदि भाजपा के असली 'पन्ना प्रमुख' बन जाते हैं: मल्लिकार्जुन खरगे

जयपुरः राजस्थान में चुनाव करीब आते ही ईडी की छापेमारी हुई तो कांग्रेस भड़क गई है।आज कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और महुआ सीट से उम्मीदवार ओमप्रकाश हुड़ला के परिसरों पर छापे मारे गए। उधर, सीएम अशोक गहलोत के बेटे वैभव को भी ईडी ने समन किया है। गहलोत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि स्थिति चिंताजनक है, उन्होंने देश में आतंक फैला रखा है। प्रियंका गांधी ने कहा कि मोदी जी की सरकार में जनता की कोई सुनवाई नहीं। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ट्वीट कर कहा, 'चुनाव आते ही ईडी, सीबीआई, आईटी आदि भाजपा के असली 'पन्ना प्रमुख' बन जाते हैं। राजस्थान में अपनी निश्चित हार को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने चला अपना आखिरी दांव !'

खरगे ने लिखा कि ईडी ने छत्तीसगढ़ के बाद राजस्थान में भी विधानसभा चुनाव अभियान में उतरते हुए कांग्रेसी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। मोदी सरकार की तानाशाही लोकतंत्र के लिए घातक है। हम एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ लड़ते रहेंगे, जनता भाजपा को करारा जवाब देगी। कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि आज राजस्थान में फिर से ईडी पहुंच चुकी है। पहले जहां चुनाव होता था, वहां मोदी जी जाते थे। अब जहां चुनाव होता है, वहां ईडी पहुंच जाती है। राजस्थान के लोग सब देख रहे हैं। वो दिल्ली के आगे ना कभी झुके हैं और ना झुकेंगे।

कांग्रेस के ट्विटर हैंडल से कहा गया, 'राजस्थान चुनाव में भाजपा की करारी हार होना तय है। अपनी हार को देख भाजपा बौखला गई है और अपने सहयोगी ईडी को काम पर लगा दिया है। राजस्थान में कांग्रेस नेताओं के यहां ईडी की कार्यवाही मोदी सरकार की बौखलाहट, कुंठित मानसिकता और सत्ता के निरंकुश दुरुपयोग का सबूत है। लेकिन हमने डरना नहीं सीखा है, झुकना नहीं सीखा है। आने वाले चुनाव में जनता इन्हें करारा जवाब देगी।

सुझाव सारी दुनिया का धर्म एक

धर्म का अंत होगा तो समाप्त हो जाएगी सृष्टि : भागवत

सहारनपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि सारी दुनिया का धर्म एक है, जबकि पंथ तथा संप्रदाय अलग हो सकते हैं। धर्म सभी को जोड़कर रखता है। धर्म का अंत होगा तो सृष्टि समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया भर को धर्म की राह दिखा रहा है। हम धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म हमारी रक्षा करता है।

डॉ. भागवत ने सहारनपुर के सरसावा में गुरुवार को श्रीकृष्ण ज्ञान मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. भागवत ने कहा कि धर्म शाश्वत है। धर्म का अंत होगा तो सृष्टि भी समाप्त हो जाएगी। संत भी अलग-अलग संप्रदाय के होते हैं, लेकिन अंदर से सभी एक

हैं। संतों के साथ से हमें लाभ मिलता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भारत के जीवन का निचोड़ है। गीता में कहा गया है कि कुशलतापूर्वक कार्य करो, जो भी कार्य करो, उत्तम करो। हम धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म हमारी रक्षा करता है। सृष्टि को धर्म की आवश्यकता है। जिस दिन सनातन धर्म खत्म हो जाएगा, दुनिया खत्म हो जाएगी।

भूमि पूजन कार्यक्रम में देशभर से जुटे साधु-संतों के बीच डॉ. भागवत ने कहा कि भारत की एक विशेषता है कि वह दुनिया भर को धर्म की राह दिखा रहा है। भले ही पंथ और सम्प्रदाय अलग-अलग हों, लेकिन सभी एक ही काम कर रहे हैं। धर्म सभी को जोड़कर रखता है। कभी भी अपने अंदर अहंकार मत लाओ। मन की पवित्रता जरूरी है। जीवन में आने वाली परिस्थितियों से भागना नहीं है, बल्कि उनका मुकाबला करना है। यदि भाग गए तो जिंदा होते हुए भी मौत के समान है। दुष्टों से हमें घबराना नहीं है। हमारी किसी से भी दुश्मनी नहीं है, सभी से हम दोस्ती का भाव लेकर चलते हैं। सहारनपुर में संघ प्रमुख डॉ. भागवत के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए। जगह-जगह पुलिस बल तैनात किया गया।

मानहानि मामला: उद्धव ठाकरे–संजय राउत की आरोपमुक्त याचिका खारिज

मुंबई।आपराधिक मानहानि मामले में उद्धव ठाकरे और संजय राउत की आरोपमुक्त याचिका को अदालत ने खारिज कर दिया है। मझंगाव अदालत सांसद राहुलि शेवाले द्वारा दायर आपराधिक मानहानि मामले पर सुनवाई कर रही है। इस मामले में अदालत पहले ही याचिका दर्ज कर चुकी है। अदालत ने साक्ष्य दर्ज करने के लिए मामले को नौ नवंबर तक के लिए स्थगित कर दिया।शिवसेना (शिंदे गुट) के सांसद राहुल शेवाले ने कहा, मैंने उद्धव ठाकरे और संजय राउत के खिलाफ मानहानि का मामला दायर किया था। उन्होंने आरोपमुक्त करने की याचिका दायर की। जिसे अदालत ने खारिज कर दिया है। मैं अदालत के इस कदम का स्वागत करता हूं। सांसद राहुल शेवाले का आरोप है कि शिवसेना के समाचार पत्र 'सामना' में उनके खिलाफ गलत

खबरें छापी गईं। जिसके उनकी बदनामी हुई। जिससे उनकी छवि को गहरा धक्का लगा। सामना द्वारा छापी गई गलत खबर को लेकर उन्होंने उद्धव ठाकरे और संजय राउत के खिलाफ आपराधिक मानहानि की याचिका दायर की।

श्रीकृष्ण जयंती पर लालू ने केंद्र की मोदी सरकार पर किया प्रहार, भूमिहार समाज को दी नसीहत

पटना।राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने गुरुवार को श्रीकृष्ण जयंती के मौके पर भूमिहारों समाज को खास नसीहत दी है। उन्होंने कांग्रेस द्वारा सदाकत आश्रम में आयोजित बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की जयंती समारोह में भाजपा और पीएम नरेन्द्र मोदी पर जमकर प्रहार किया।इसी दौरान उन्होंने भूमिहार जाति के लोगों को भी कहा कि आप लोग तो अपने ही समाज के लोगों को याद नहीं रखते हैं।

लालू ने कहा कि बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की प्रतिमा सचिवालय में लगी हुई है लेकिन वर्ष 1990 के दशक में जब वे और उनकी पत्नी राबड़ी देवी मुख्यमंत्री रहे तो उस दौरान राजकीय समारोह में कोई भी भूमिहार नेता वहां फूल-माला चढ़ाने नहीं जाता था।तब के कार्यक्रमों में सिर्फ लालू और राबड़ी सहित गिनती के लोग ही वहां जाते और श्रीबाबू की प्रतिमा पर फूल माला चढ़ाकर आते।

लालू ने कहा कि भूमिहार समाज के लोग कहते हैं कि श्रीबाबू उनकी जाति के हैं लेकिन भूमिहार जाति के लोग अपने ही नेता को याद नहीं करते हैं। उनकी जयंती और पुण्यतिथि नहीं मनाई जाती।इसलिए वे भूमिहार जाति से अपील करते हैं कि अपने पूर्वजों को जानिए। नई पीढ़ी अपनी जाति के लोगों को जाने. श्रीबाबू को याद करें।लालू ने कांग्रेस द्वारा सदाकत आश्रम में बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की जयंती समारोह आयोजित करने के लिए अखिलेश सिंह की सराहना की। लालू यादव ने कहा कि- भाजपा आज राम और रहीम के बंदों के बीच नफरत फैला रही है। आज संविधान पर खतरा बना हुआ है। इसलिए हम लोग एकजुट होकर आईएनडीआईए गठबंधन बनाये हैं। ये लोग काला धन वापस लायेंगे बोलकर जनता को ठग लिया और चुनाव जीत लिया। ये लोग बोला 15 लाख आएंगे तो हम भी एकाउंट खोलवा लिए।

बाह्मण स्वाभिमान सम्मेलन 17 दिसंबर को पटना में

अररिया। आगामी 17 दिसम्बर को पटना के बापू सभागार में ब्राह्मण स्वाभिमान सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। जिसकी तैयारी में राष्ट्रीय बाह्मण महासभा,परशुराम सेवा संस्थान लगी हुई है और सम्मेलन को सफल बनाने के लिए चाणक्य जन जागरण यात्रा कर रही है। जहां ब्राह्मण समुदाय के लोगों ने जमकर स्वागत किया।मौके पर महासम्मेलन को लेकर जानकारी दी गई। राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा के संस्थापक व अध्यक्ष आशुतोष कुमार झा ने बताया कि आगामी 17 दिसंबर रविवार को पटना के बापू सभागार में राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा के बैनर तले एक दिवसीय ब्राह्मण स्वाभिमान सम्मेलन का आयोजन होगा,जिसमें बिहार और केन्द्र सरकार से ब्राह्मण समाज द्वारा ब्राह्मण कल्याण बोर्ड का गठन,ब्राह्मण समाज के सभी मेधावी गरीब छात्र-छात्राओं के लिए जिला में वातानकुलित छात्रावास का निर्माण, ब्राह्मणों की शिक्षा के लिए वेद-विद्यालयों की स्थापना,राजनितिक भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास के तहत लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग रखी जायेगी।

राजधानी में अलग-अलग जगह पर दो शव मिलने से सनसनी

दोनों मुजफ्फरपुर के रहने वाले: पटना में एक कमरे में मिली लड़की की लाश; दूसरी जगह नाले से मिला लड़के का शव

पटना। पटना सिटी के अगमकुआं थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग जगहों से शव बरामद किए गए हैं। एक डेड बॉडी लड़की की और दूसरा लड़के का है। लड़की की पहचान मुस्कान(21) के रूप में हुई है, जबकि लड़के की पहचान मो. इरकाचन में(35) के तौर पर हुई है। दोनों मुजफ्फरपुर जिला के रहने वाले थे।लड़के का चेहरा (ऊपर का भाग) झुलसा था, चेहरा बिल्कुल काला पड़ गया था। शव को छोटी पहाड़ी के नाला से बरामद किया गया, जबकि लड़की के शव को बहादुरपुर हाउसिंग कॉलोनी के एक कमरे से बरामद किया गया है। पोस्टमार्टम के बाद दोनों शवों को परिजनों को सौंप दिया गया है।मुस्कान के चाचा प्रभात सिंह ने बताया कि बुधवार देर रात मुस्कान फोन पर मुझसे, अपनी मौसी और बहन से बात की थी। कह रही थी आज घर आ रही हूं। घर द्वार देखते रहिएगा। उन्होंने आगे बताया कि किसी पर शक नहीं है। घर से कहकर निकली थी कि मामा का लड़का है, भाभी है पटना में उसी से मिलने जा रही हूं। हमलोगों को इसके बारे में कुछ भी पता नहीं है कि किससे मिलने जाती थी। दो महीने पहले घर से निकली थी।लगातार हम लोगों से बातचीत हो रही थी।

आज आने वाली भी थी। मुस्कान के पिता जब थे, उसी समय भाइयों के बीच बंटवारा हो गया था। आज हम गए और फॉर्मलिटी पूरा करने के बाद बॉडी लेकर चले आए। फिर दो तीन के बाद पटना बुलाया गया है।मृतक मुस्कान कुमारी (21) मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत गायघाट थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को शव सौंप दिया गया है। शव को लेने मुस्कान के चाचा प्रभात सिंह पटना आए हुए थे।

वहीं, अगमकुआं के एएसआई रामायण पासवान ने बताया कि लड़की 15-20 दिनों से बहादुरपुर हाउसिंग कॉलोनी में किराए पर रूम लेकर एक लड़के के साथ रह रही थी। देखने में प्रेम प्रसंग का ही मामला प्रतीत हो रहा है। लड़की सिंदूर करती थी। मकान मालिक के मुताबिक हसबैंड वाइफ बताकर ही दोनों ने रूम लिया था, लेकिन पति-पत्नी नहीं थे। लड़की की मौत के बाद से ही लड़का फरार है। मामले की जांच चल रही है।बहरहाल पटना पुलिस अलग-अलग एंगल से मामले की तफ्तीश कर रही है। मृतक के परिजनों को दो-तीन दिनों के बाद पटना बुलाया गया है। अब देखना होगा कि आगे और क्या कुछ निकलकर सामने आता है।

नीतीश ने गठबंधन को आकार दिया इसलिए परेशान है भाजपा : बिजेन्द्र

पटना। ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा के खिलाफआईएनडीआईए गठबंधन को आकार दिया इसलिए भारतीय जनता पार्टी के नेता बौखलाए हुए हैं और मुख्यमंत्री के बारे में अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। जदयू कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद गुरुवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि 2 नवंबर को बिहार की धरती से इतिहास रचा जाएगा। एक साथ 25 हजार युवाओं को एक साथ नियुक्ति पत्र देना असामान्य घटना है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य की सरकार बेरोजगारी की समस्या को दूर करने के लिए हर मुमकिन प्रयास कर रही है। इसके लिए श्री नीतीश कुमार बधाई के पात्र हैं। बिहार सरकार की परिवहन मंत्री शीला मंडल ने पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि सीसीटीवी कैमरा हो या फिर ट्रैफिक सिग्नल, इनमें तकनीकी समस्याएं कोई असामान्य बात नहीं है।

वारदात लोडेड देसी कट्टा और दो खोखा बरामद, एक गिरफ्तार

प्रतिमा विसर्जन के दौरान फायरिंग

पटना। पीरबहोर थाना क्षेत्र में बुधवार को प्रतिमा विसर्जन के दौरान फायरिंग की घटना से हड़कंप मच गया। लोग इधर-उधर भागने लगे। हालांकि मौके पर मौजूद दरोगा तनवीर अहमद ने एक आरोपी को पकड़ लिया। जिसके पास से लोडेड देसी कट्टा और दो खोखा बरामद किया गया है। एक अन्य आरोपी भागने में कामयाब रहा। घटना सब्जी बाग के कला मंच इलाके की है।

दरोगा तनवीर अहमद के मुताबिक प्रतिमा विसर्जन के दौरान हर्ष फायरिंग करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। जिसकी पहचान सैफ आलम के रूप में की गई है। जो दरियापुर इलाके का रहने वाला है। गिरफ्तार अपराधी ने पूछताछ में खुलासा किया है कि उसके एक सहयोगी ने हथियार लाया था। वर्चस्व कायम करने के लिए फायरिंग की घटना को अंजाम दिया गया था।

फिलहाल सैफ आलम और एक अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सैफ का आपराधिक इतिहास पता करने में जुटी हुई है।

आरोपी को जेल भेज दिया गया है। अज्ञात की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।जानकारी के मुताबिक गिरफ्तार सैफ आलम के चाचा पर भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और जेल की हवा खा चुका है। पुलिस यह पता करने में जुटी है कि गिरफ्तार आरोपी के पास हथियार कहां से आया है।

पटना में पुलिस चौकी में लगी आग, 5 रायफल 200 जिंदा कारतूस हुए खाख

पटना।गुरुवार दोपहर दानापुर थाने की सगुना मोड़ चौकी में भीषण आग लग गई। आग लगने से चौकी के अंदर मौजूद जवानों में हड़कंप मच गया। तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई, लेकिन वो जब तक आई तब तक पूरी चौकी जलकर राख हो चुकी थी। इस दौरान आसपास के ट्रैफिक को रोक दिया गया।आग की उठती लपटें देख आसपास लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। पुलिस चौकी के अंदर रखीं 5 रायफल भी जल गईं। 200 कारतूस भी खाक हो गए।चौकी के पुलिस के हथियार भी जल गए। पुलिसकर्मी जब आग बुझाकर अंदर गए तो उन्होंने देखा कि हथियार के सिर्फ ढांचे ही बचे हैं। उसे निकालकर थाने पहुंचाया गया।

घटना के संबंध ने सिटी एसपी पश्चिमी राजेश कुमार ने बताया की शॉर्ट सर्किट के चलते सगुना मोड़ पुलिस चौकी में आग लगी।

जिसके बाद फायर विभाग के अधिकारियों को सूचित किया गया। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच आग पर काबू पा लिया है। किसी तरह के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। दो रायफल की जलने की बात सामने आ रही है। जांच के बाद आगे की जानकारी दी जाएगी।

सुशील कुशवाहा के परिजनों को सांत्वना देने पहुंची जन सुराज की जिलास्तरीय टीम

मोतिहारी। बीते मंगलवार को अपराधियों के गोली के शिकार महदेवा निवासी स्व0 सुशील कुशवाहा के घर उनके परिजनों को सांत्वना देने आज जन सुराज की जिलास्तरीय टीम पहुंची। बतातें हैं कि मंगलवार को हीं रात्रि करीब 11: 15 में घोड़ासहन थाना क्षेत्र के बलान चौक के नजदीक कसवा लौखान-भेलवा रोड में उनकी हत्या कर दी गई थी। टीम में शामिल जन सुराज के जिला संगठन महासचिव जयमंगल कुशवाहा व अभियान समिति के सदस्य राजीव पाण्डेय ने एक स्वर से कहा कि पूरे बिहार में अपराधियों का बोलबाला है ।वहीं अपराधियों पर नकेल कसने में शासन प्रशासन नाकाम साबित हुई है। पूर्वी चंपारण का घोड़ासहन प्रखंड शांतिप्रिय रहा है लेकिन विगत माह बगहा निवासी धर्मेंद्र कुशवाहा की हत्या कर दी गई और अब सुशील की हत्या से साफ जाहिर होता है कि घोड़ासहन में भी अपराधियों पर नकेल कसने में प्रशासन विफल है। इधर जनसुराज के अनुमंडल युवा अध्यक्ष व अधिवक्ता मधुसूदन कुशवाहा, ने कहा कि सुशील की हत्या एक षड्यंत्र के तहत की गई हत्या प्रतीत होता है। इसके साथ हीं सुशील के हत्यारे को अविलंब गिरफ्तार कर स्पीडी ट्रायल चलाकर सजा दिलवाने की भी मांग प्रशासन से किया है।

मुजफ्फरपुर में अपराधियों ने एक ही परिवार के चार लोगों को मारी गोली, भर्ती

मुजफ्फरपुर। बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के कटरा थाना क्षेत्र अंतर्गत जजुआर में अपराधियों ने घर में घुसकर एक ही परिवार के चार लोगों को गोली मार दी। स्थानीय लोगों की मदद से जख्मी लोगों को बैरिया स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से आधा दर्जन से अधिक खोखा बरामद किया है।

पीड़ितों में 55 वर्षीय हेमा ठाकुर, उनकी 45 वर्षीय पत्नी मोती देवी, उनका 26 वर्षीय लड़का अंकित कुमार और अमन कुमार है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना है। पुलिस कैंप कर रही है। डीएसपी पूर्वी सहरियार अख्तर ने गुरुवार को सभी घायलों से घटना की जानकारी ली। उन्होंने घटना का कारण आपसी विवाद बताया है। डीएसपी पूर्वी ने बताया कि इलाके की नाकेबंदी कर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

ग्रामीणों ने कहा कि हेमा ठाकुर के परिवार के लोग बुधवार की देर रात करीब 12 बजे खाना खाने के बाद सोने जा रहे थे। तभी बाइक सवार अपराधियों ने उनके घर पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की तड़तड़ाहट की आवाज से पूरा इलाका गूंज उठा। आवाज बंद होने पर जब हेमा ठाकुर के घर पर लोग पहुंचे तो सभी जख्मी हालत में पड़े थे।

उल्लेखनीय है कि मुजफ्फरपुर जिले में शहर से लेकर गांव तक अपराधियों का खौफ बरकरार है।

हाई रिस्क प्रेग्नेंसी से सुरक्षित रहने को समय पर प्रसवपूर्व जांच जरूरी :डॉ .श्रीकांत दुबे

बेतिया। गर्भावस्था के दौरान थोड़ी सी लापरवाही बड़ी परेशानी का कारण बन सकती है। इसलिए गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहना चाहिए। ये बातें जिले के सिविल सर्जन डॉ श्रीकांत दुबे ने गुरुवार को कही है। उन्होंने बताया कि गर्भावस्था के दौरान गर्भवती महिलाओं में कई हार्मोनल परिवर्तन होते हैं। ऐसे मेंजच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य के लिए संतुलित प्रोटीन, आयरनयुक्त आहार लेना आवश्यक होता है। उन्होंने बताया कि इस समय लापरवाही करने पर कई तरह की शारीरिक परेशानियों से गुजरना पड़ता है। वहीं हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था) भी हो सकती है। इससे बचाव के लिए गर्भवती महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसवपूर्व जांच, एनीमिया, थायरायड, शुगर, बीपी की जाँच करानी चाहिए। प्रसवपूर्व जांच हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की पहचान में काफी सहायक होती और शुरुआती दौर में ही परेशानी का पता चल जाता है। समय पर पता चलने से इस परेशानी से आवश्यक उपचार की बदौलत बचाव किया जा सकता है। मझौलिया के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ ओमप्रकाश ने बताया कि हाई रिस्क प्रेग्नेंसी से बचाव के लिए महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान प्रसवपूर्व जांच और सतर्क रहना जरूरी है। इसलिए हर गर्भवती महिला को गर्भावस्था के दौरान कम से कम चार बार प्रसव पूर्व जांच व सभी आवश्यक टीकाकरण जरूर करानी चाहिए। बीपी, शुगर, थायरॉयड, वजन, हीमोग्लोबिन स्तर के साथ ही अल्ट्रासाउंड द्वारा गर्भस्थ बच्चे की जांच आवश्यक है। उन्होंने बताया कि किसी प्रकार की कोई शारीरिक परेशानी होने पर भी तुरंत योग्य चिकित्सकों से जांच करानी चाहिए।

नरकटियागंज में दो दो लाश मिलने से शहर में सनसनी

बेतिया।बेतिया पुलिस जिला अंतर्गत लाशों का मिलना जारी है। नरकटियागंज पुलिस अनुमंडल मुख्यालय शिकारपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत 500 मी के अंदर पुलिस ने दो शव बरामद किया है। जहां एक सरकारी स्कूल के हेड मास्टर का ओवर ब्रिज में फंदे से झूलता बरामद की गई, वहीं धूमनगर में एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया गया है। जिसका हाथ पैर बंधा हुआ था और उसकी हत्या कर शव झाड़ी में फेंक दिया गया था। गुरुवार की सुबह पुलिस ने नरकटियागंज ओवर ब्रिज में फंदे से झूलता हुआ एक सरकारी स्कूल के हेड मास्टर पांडे टोला निवासी सूरज महतो का शव बरामद किया है जो नरकटियागंज सिसवा वृति टोला स्कूल में प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यरत थे। मृतक के परिजनों का आरोप है कि उनकी हत्या कर फंदे से लटका दिया गया है। उधर शिकारपुर थाना क्षेत्र के ही धुमनगर बलोर नदी के निकट रेलवे ट्रैक के पास झाड़ी में एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया गया है।

एसएसबी के जवानो ने देशी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ एक युवक को किया गिरफ्तार

गश्ती के दौरान भारत नेपाल सीमा के पिलर संख्या 376 / 01 के समीप मिला युवक

महुआवा थाना क्षेत्र के कटगेनवा गांव निवासी रिखदेव प्रसाद यादव का पुत्र है आरोपी

मोतिहारी। जिले के नेपाल सीमावर्ती के छौड़ादानो क्षेत्र के महुआवा कैम्प के एसएसबी के जवानों ने गश्ती के दौरान भारत नेपाल सीमा के पिलर संख्या 376 / 01 के समीप एक युवक को एक देशी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार युवक कि पहचान महुआवा थाना क्षेत्र के कटगेनवा गांव निवासी रिखदेव प्रसाद यादव के 16 वर्षीय पुत्र नीरज कुमार के रूप में कि गई है। एसएसबी अधिकारियो ने गिरफ्तार युवक से आवश्यक पुछताछ करने के बाद अग्रेतर कारवाई के लिए उसे महुआवा ओपी थाना को सौप दिया गया है।

दु :खद | मृतक अजीमुल्लाह का पत्नी के साथ कोर्ट परिवाद चल रहा था

परिवारिक कलह में बाप ने पुत्र संग लगाई फाँसी

बेतिया। लौरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत एक हृदयविदारक घटना सामने आई है । लौरिया थाना क्षेत्र के बगही बसवरिया पंचायत के वार्ड संख्या 6 के कंधवलिया गांव निवासी कमरुज्जमा के पुत्र अज़ीमुल्लाह उर्फ डब्लू ने अपने पांच वर्षीय बेटे आयान को फांसी लगाकर खुद को फांसी लगा ली।

घटना बुधवार को देर शाम की बताया जा रहा है। मौके पर लौरिया पुलिस पहुंचकर दोनों शवों को जीएमसी अस्पताल में अन्त्यपरीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

मृतकों की पहचान कंधवलिया गांव निवासी कमरुज्जमा के 33 वर्षीय पुत्र अज़ीमुल्लाह उर्फ डब्लू के रूप मे हुई है।

वही दूसरे मृतक अजीमुल्लाह के 5 वर्षीय पुत्र अयान के रुप में हुई है। दोनों मृत व्यक्ति आपस मे पिता और पुत्र थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अज़ीमुल्लाह को दो बेटी है जिनका नाम आनावया 4 वर्ष एवं अंसारा 2 वर्ष है।

अज़ीमुल्लाह उर्फ डब्लू की पत्नी हरिरा खातून डेढ माह पहले अपने तीनों बच्चों को छोड़कर मायके देवराज के देउरवा गांव निवासी जुल्फकार अहमद के घर चली गई थी। मृतक अज़ीमुल्लाह की बड़ी बहन रेयाना बेगम ने बताया की भैया की शादी वर्ष 2018 में देउरवा गांव निवासी जुल्फकार अहमद की बेटी हरिरा खातून से हुआ था। शादी के कुछ दिनों तक सब कुछ ठीक ठाक रहा। इसी बीच भैया को एक बेटा आयान हुआ भाभी ज्यादातर अपना समय मायके में ही गुजारती थी। ढाई बर्ष पहले भाभी हम लोगों के उपर कोर्ट परिवाद से दहेज प्रताड़ना का केश भी की थी। हमारे गांव के मुखिया एवं रिश्तेदार मिलकर मामला सुलझाने का प्रयास किए। परन्तु कुछ फायदा नहीं हुआ। वहीं स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि इंतखाब अहमद उर्फ गोलू ने बताया कि अजिमुल्लाह पिछले ढाई बर्ष से परिवारिक कलह से काफी परेशान था। अपने दोस्तों से कर्जा पैसा लेकर कंधवलिया चौक पर दुकान चला रहा था। डेढ़ माह पहले हरिरा खातून ने अपने तीनों बच्चों को घर पर छोड़ कर मायके चली गई थी। पांच दिनों पहले ही अजिमुल्लाह अपने दोनों बेटियों को लेकर अपने ससुराल देउरवा पहुंचा दिया था। मंगलवार के दिन अज़ीमुल्ला उर्फ डब्लू अपने ससुराल देउरवा गया था तथा रात्रि में वहीं पर रुक गया। बुधवार को सुबह में अपने बेटे आयान को लेकर घर कन्धवलिया आ गया।

बुधवार के शाम मे पता चला की अजीमुल्लाह ने वीडियो कॉल कर अपने पत्नी को दिखा दिया की बेटे को फांसी पर लटका रहा हूं और अब खुद फांसी पर झूल रहा हूं।

घटना की जानकारी मिलते ही मृतक की पत्नी हरिरा बेगम अपने भाई तौसीफ के साथ ससुराल कंधवलिया पहुंची तो देखा कि शव फंदे से लटका हुआ है। शव को नीचे उतारा तब तक किसी ग्रामीण ने थानाध्यक्ष को फोन कर जानकारी दी। अजिमुल्लाह ने परिवारिक कलह से तंग होकर पहले बेटे और फिर अपने को दो मंजीले छत पर पंखे से लटक कर फांसी दे दी।

संदिग्ध स्थिति में फंदे से लटका मिला युवक का शव

मोतिहारी। जिले के मोतिहारी में संदिग्ध राजेपुर थाना क्षेत्र के नरहा पन्नापुर गांव में लीची के बगीचे में फंदे से लटका एक युवक का शव बरामद किया गया है। जिसकी पहचान राजेपुर थाना क्षेत्र के मेघुआ पंचायत के सरैया वार्ड सात निवासी जग्गा राय (28) के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है,कि युवक का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। वही घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई में जुट गई है। मृतक की पत्नी अमृता देवी (25) ने बताया कि मेरे पति जग्गा राय बुधवार की शाम शिवाई पट्टी से साइकिल से अपने घर आए। घर पर खाना खाने के समय किसी व्यक्ति का फोन आया। खाना खाने के बाद वह यह कह कर निकले की गांव के मंदिर पर कीर्तन सुनने जा रहा हूं। देर से घर लौटूंगा। घर का दरवाजा बंद नहीं करना, सुबह तक मेरे पति घर नहीं आए थे। सुबह पति का शव नरहां के बगीचे में फंदे से लटका हुआ मिला है।

चन्द्रा लाईफ लाईन हॉस्पीटल प्रा. लि.
ISO 9001:2015

डा. चन्द्र सुभाष
M.B.B.S. DMCH (Darbhanga)
M.S., D-Ortho, Ph.D. (Ortho-R)
F.C.G.P. (Chennai), D.N.B.1 (New Delhi)
Reg. No.- 34216 (Bihar)
हड्डी, जोड़ नस एवं गठिया रोग विशेषज्ञ एवं सर्जन

24/7 Emergency Services

डा. हेना चन्द्रा
M.B.B.S. DMCH (Darbhanga)
P.G. Diploma (MCH) Jaipur
P.G. Diploma (sonology)
Gold Medalist
Reg. No.- 40386 (Bihar)
स्त्री, बाँझपन एवं प्रसुति रोग विशेषज्ञ

• यहाँ दुरबीन (Arthroscopy) के द्वारा घुटना एवं कंधा का ऑपरेशन किया जाता है।
• यहाँ हड्डी के सभी तरह का ऑपरेशन कम्प्यूटर (C-ARM) की सहायता से किया जाता है।
• 15-20 वर्षो से पुराना गठिया जिसका ईलाज करकर थक गये है उसका विशेष ईलाज
• पहले से नाकाम एवं गलत ईलाज, हड्डी का कैंसर-टीबी तथा जन्मजात टेढ़ा पैर एवं हाथ का सफल ईलाज एवं ऑपरेशन

• यहाँ यथा संभव नार्मल डिलीवरी कराने का प्रयास होता है।
• शादी के 10-15 साल बाद भी संतान सुख से वंचीत दंपती यहाँ पर इलाज कारकर संतान सुख ले रहे है।

1. Ultrasonography, 2. Mammography, 3. X-ray, 4. Pathology Lab, 5. ECG, 6. Ambulance, 7. ICU

स्थान- चरखा पार्क के पश्चिम वाली रोड में जिला परिषद के सामनें, स्टेशन रोड, बेलवनवा, मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण

नोटः- हमारे यहाँ लगभग सभी हेल्थ इंश्योरेंस का कैशलेश ईलाज किया जाता है।

Mob.- 9471418204, 9471418205, 9471418206, 9471418109

Editorial

भारत किसे चुनेगा- नेपाल या बांग्लादेश

इस बार विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय निदेशक का चुनाव दिलचस्प होने जा रहा है। चुनाव में भारतीय उम्मीदवार नहीं होने के बावजूद भारत की भूमिका निर्णायक मानी जा रही है। भारत के सामने धर्मसंकट यह है कि इस पद के दोनों उम्मीदवार भारत के करीबी मित्र देश क्रमशः बांग्लादेश और नेपाल से हैं। ऐसे में भारत के लिए कोई फैसला करना आसान नहीं होगा। भारतीय मूल की पूनम खेत्रपाल सिंह इस समय डब्लूएचओ के दक्षिण-पूर्व एशिया (एसईएआरओ) की क्षेत्रीय निदेशक हैं, जो 2014 से इस पद पर हैं। वे इस पद को संभालने वाली पहली महिला हैं। 2018 में उन्हें सर्वसम्मति से दूसरे कार्यकाल के लिए चुना गया था। पांच साल के कार्यकाल वाले इस पद के चुनाव के लिए दिल्ली में 30 अक्टूबर से 2 नवंबर को बंद कमरे में सदस्य देशों की बैठक होगी। इसमें भारत सहित 11 देश बांग्लादेश, भूटान, उत्तर कोरिया, इंडोनेशिया, मालदीव, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका, थाइलैंड और ईस्ट तिमोर के स्वास्थ्य मंत्री मतदान करेंगे। यह मतदान गोपनीय होगा। इस पद के लिए दो उम्मीदवार हैं- बांग्लादेश की सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ साइमा वाजेद और विश्व स्वास्थ्य संगठन के वरिष्ठ अधिकारी रहे नेपाल के शंभु प्रसाद आचार्य। दोनों ही उम्मीदवारों की तरफ से चुनाव में बहुमत जुटाने की पुरजोर कोशिशें लगातार जारी हैं। मतदान में हिस्सा लेने वाले देशों से संपर्क साधा जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 194 सदस्य देश हैं और यह संगठन छह क्षेत्रों अफ्रीका, यूरोप, दक्षिण-पूर्व एशिया, पूर्वी भूमध्यसागर, वेस्टर्न पैसिफिक और अमेरिका में बंटा हुआ है। दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में आने वाले भारत का इस संगठन में विशेष महत्व रहा है। खासतौर पर वैक्सीन डिप्लोमेसी के नजरिये से। इस पद पर भारत अपने उम्मीदवार को लेकर पिछली बार सर्वसम्मति बनाने में सफल रहा था लेकिन इस बार भारत के सामने बांग्लादेश और नेपाल में किसी एक को चुनने की मुश्किल पहेली है।

प्रदूषण से मुक्ति के लिए गंभीरता की दरकार

डॉ. अनिल कुमार निगम

दिल्ली और एनसीआर की हवा में एक बार फिर जहर घुल गया है। दीपोत्सव का त्योहार अभी दूर है लेकिन देश की राजधानी की हवा की गुणवत्ता का इंडेक्स (एक्यूआई) 300 के पार चला गया है। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। हर वर्ष प्रदूषण का कारण दिवाली में आतिशबाजी से होने वाले प्रदूषण, पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जलाई जाने वाली पराली को मानकर कुछ चंद उपाय कर लोगों को प्रदूषण के दंश को झेलने के लिए छोड़ दिया जाता है। पिछले लगभग एक दशक में अक्टूबर से जनवरी के बीच हर साल यह समस्या गहरा जाती है। दिल्ली सरकार भी 'जब आग लगे तो खोदो कुआं' वाली कहावत चरितार्थ करते हुए प्रदूषण कम करने के चंद उपाय करती है जिससे कुछ तात्कालिक राहत भी मिल जाती है, लेकिन इस समस्या का स्थायी समाधान निकाले जाने के बारे में गंभीर प्रयास देखने को नहीं मिलते। प्रदूषण की गंभीरता को यहां से समझना चाहिए कि अक्टूबर आते ही सांस और दमा के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। इसीलिए उच्चतम न्यायालय ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से दिल्ली और उसके आसपास वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर रिपोर्ट मांगी है। दिल्ली-एनसीआर में हर साल अक्टूबर से नवंबर में प्रदूषण स्तर बेहद खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। प्रदूषण बढ़ने का प्रमुख कारण सर्दियों में हवा का घनत्व बढ़ना और तापमान का गिरना है। इसके चलते प्रदूषण नीचे ही रह जाता है और स्मॉग के तौर पर दिखता है। यही स्मॉग कोहरे के साथ मिलकर प्रदूषण और तरह-तरह की गैस एक घातक मिश्रण को जन्म देती है। सर्दियों में हवा भी काफी कम चलती है, ऐसे में प्रदूषण लगातार बढ़ता रहता है। गर्मियों में तापमान अधिक होने से हवा में घनत्व काफी कम हो जाता है और प्रदूषण आसानी से छंट जाता है। दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण बढ़ने के अन्य कारण भी हैं। दिल्ली की आबादी पिछले एक दशक में बहुत तेजी से बढ़ी है। यहां की आबादी 3 करोड़ से अधिक हो चुकी है। इसी तरह एनसीआर की आबादी लगभग साढ़े 4 करोड़ से अधिक है। आबादी का ग्रोथ रेट काफी अधिक है। आबादी बढ़ने के साथ ही दिल्ली एवं एनसीआर में वाहनों का दबाव भी तेजी से बढ़ा रहा है। दिल्ली का विश्व में सबसे अधिक वाहनों वाला शहर माना जाता है। यहां के निवासी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का इस्तेमाल करने की जगह निजी वाहनों का प्रयोग अधिक करते हैं। विकास के नाम पर दिल्ली एवं एनसीआर में निर्माण कार्य भी बेतरतीब तरीके से होता रहता है। इससे धूल के कण हवा में जहर घोलने का काम करते हैं। इसके अलावा खेतों में पराली जलना भी प्रदूषण का बड़ा कारण है। हरियाणा और पंजाब समेत कई राज्यों में किसान इन महीनों में पराली जलाते हैं, जिससे स्मॉग की समस्या बढ़ जाती है। प्रदेश सरकारें आज तक इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाल सकी हैं। सरकारें किसानों को यह चेतावनी देकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेती हैं कि अगर किसानों ने पराली जलाई तो उनको जुर्माना देना होगा, लेकिन सरकारें भी यह बात अच्छी तरीके से जानती हैं कि किसान के पास पराली को डिस्पोज करने का कोई विकल्प नहीं है। पराली का डिस्पोजल इतना महंगा है कि किसान सरकार के सहयोग के बिना उसे कर ही नहीं सकते है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Today's **Opinion**

विधानसभा चुनावों की तपन और रुख बदलती सियासी पवन

ऋतुपर्ण दवे

पांच राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में टिकट बंटवारे के बाद कांग्रेस और भाजपा में जिस तरह से उठापटक का नजारा दिख रहा है वो नया नहीं है। लेकिन नवंबर-2023 में होने जा रहे पाँच राज्यों के विधानसभा चुनाव जरूर तमाम रणनीतिक गतिविधियों के चलते अलग नजर आ रहे हैं। जिस रास्ते भाजपा और काँग्रेस चल रही है वह खुद बड़ा संकेत है। भाजपा ने भले मध्य प्रदेश से बेहद पुरानी शुरुआत को नए लिबास में कर तीनों अहम हिन्दी पट्टी राज्यों में भी प्रयोग दोहरा, मौजूदा सांसदों या केन्द्रीय मंत्रियों को जंग में उतार तमाम दिग्गजों सहित खुद भाजपाइयों को अचरज में डाल दिया। इसकी खबर प्रत्याशी के सिवाय किसी को कानों कान नहीं थी। इसी तरह काँग्रेस ने भी भाजपा से आए लोगों को टिकट देने में गुरेज न कर बड़ा दाँव खेला है। अब दोनों ही दल कार्यकर्ताओं के विरोध को झेल रहे हैं। लेकिन आखिर में हमेशा की तरह सब ठीक हो जाएगा। ऐसा लगता है कि भाजपा ने अपनी महीन चुनावी रणनीति के तहत सांसदों व मंत्रियों को मैदान में उतारा है। यह बहुत सोची, समझी, सधी हुई चाल है जिसमें एक साथ कई-कई संदेश छिपे हैं। परिस्थितियों वश भाजपा किसे आगे करे, किसे मुखौटा बनाए के बजाए सबको आपस में उलझाए रखने जैसी रणनीति अपना रही है जो कहीं न कहीं छिपा डैमेज कंट्रोल तो नहीं? मध्य प्रदेश में भाजपा उदारवादी मुख्यमंत्री के रूप में शिवराज का चेहरा सामने रखने में सत्ता विरोधी लहर और दूसरे अन्दरुनी डर से भले डरी हो लेकिन काँग्रेस अभी भी संगठनात्मक रुप से यहाँ उतनी मजबूत नहीं हो पाई है जो होना था। छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल सरकार, संगठन व लोकप्रियता में भाजपा को जरुर बड़ी चुनौती नजर आ रहे हैं। राजस्थान में विजयाराजे सिंधिया के वजूद और सचिन पायलट की हां-ना के बीच पशोपेश की स्थिति से लगता है कि वहाँ भी दोनों दलों में आंतरिक चुनौतियां कम नहीं हैं। राजस्थान में कांग्रेस से ज्यादा चुनौती भाजपा में हैं। हाल ही में सचिन पायलट कई बार कह चुके है कि 5 साल में सरकार बदलने का रिवाज अब टूटेगा। छत्तीसगढ़ में सत्ता विरोधी लहर जैसा कुछ समझ तो नहीं आ रहा है। हो सकता है कि यहां काँग्रेस 2018 के मुकाबले और सुधार करे। यहां भी भाजपा ने कई मौजूदा सांसदों और केन्द्रीय मंत्रियों को विधानसभा टिकट देकर जो प्रयोग किया है उसके नतीजों पर सबकी निगाहें होंगी। तेलंगाना में मुख्य मुकाबला बीआरएस, कांग्रेस और भाजपा के बीच है। टीडीपी और एआईएमआईएम भी ताल ठोक रही है। मिजोरम में मुकाबला एमएनएफ, जेडपीएम, कांग्रेस और भाजपा के बीच ही होगा। टिकट वितरण में बड़े चेहरों पर ज्यादा भरोसा दिखाने के साथ दूसरे दलों से आकर टिकट हथियाने वालों से साधारण कार्यकर्ताओं में भले ही जबरदस्त असंतोष दिखे। लेकिन इससे हवा के रुख पर फर्क जरुर दिख रहा है। भाजपा और काँग्रेस प्रत्याशियों की घोषणा के बाद कम से कम हिन्दी पट्टी क्षेत्रों में स्थिति टिकट वितरण के पहले और अब काफी बदली हुई लग रही है। विरोध के स्वर और नेताओं के उवाच लोगों को हैरान कर रहे हैं। कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की कथित मीठी नोंक-झोंक जो खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है उसे मप्र में अलग नजरिए से देखा जा रहा है। भाजपा कार्यकर्ताओं में भी पैराशूट खासकर कांग्रेस से आए प्रत्याशियों को लेकर भीतर ही भीतर सुलग रही अंतर्विरोध की आग बुझेगी या बढ़ेगी इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। मध्य प्रदेश में कई सीटों पर बसपा, सपा और आप की मौजूदगी भाजपा से ज्यादा काँग्रेस के लिए बड़ी चुनौती जरुर बनती दिख रही है। ये तीनों ही दल ज्यादातर काँग्रेस के वोट बैंक को ही चोट पहुंचाते नजर आ रहे हैं। चुनावी रण में किसका पलड़ा ज्यादा भारी है कहना अभी जल्दबाजी होगी। टिकटों खुलासे से पहले जहां हवा का रुख कुछ अलग था वो अब अलग है। पहले मप्र व राजस्थान में कांग्रेस खेमा सत्ता के सिंहासन को बेहद भरोसे से करीब देख रहा था। लेकिन अब अंदरुनी तौर पर थोड़ा सशंकित है। हवा कुछ प्रदूषित सी लगने लगी है। पहले घर बैठे जीत का मन बना चुके प्रत्याशी भी कार्यकर्ताओं के घरों पर याचक बन दस्तक देते नजर आ रहे हैं। व

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796, प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

तम्बाकू खाने वालों का जीवन ही खा जाता है तम्बाकू

डॉ मनोज कुमार तिवारी

वरिष्ठ परामर्शदाता

ए आर टी सेंटर, एसएस हॉस्पिटल, आई एम एस, बी एच यू, वाराणसी

तंबाकू के दुष्प्रभाव के प्रति लोगों को जागरूक करने के प्रयासों को वढावा देने के लिए हर वर्ष 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस का नारा (थीम) है- हमें भोजन की आवश्यकता है, तंबाकू की नहीं, दुनिया भर में सालाना 35 लाख हेक्टेयर भूमि का उपयोग तंबाकू की खेती के लिए किया जाता है। तंबाकू की खेती के लिए वार्षिक वनों की कटाई का अनुमान लगभग 2 लाख हेक्टेयर है। तंबाकू की खेती के से जमीन की उपजाऊ शक्ति कम होती है तथा मरुस्थलीकरण का खतरा अधिक होता है। जिससे भविष्य में पूरे विश्व में खाद्यान्न की भारी कमी होने की संभावना है। तंबाकू के सेवन से वातावरण में अनेक हानिकारक पदार्थ पैदा होते हैं।

तंबाकू के निर्माण, पैकेजिंग एवं परिवहन से भी पर्यावरण में अनेक प्रकार के प्रदूषण बढ़ते हैं। तंबाकू के कारण हजारों टन जहरीले पदार्थ व ग्रीन हाउस गैसेस पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहीं हैं। तंबाकू की खेती कृषि योग्य भूमि के पोषक तत्वों को हानि पहुंचाती हैं। तंबाकू निर्माण से रासायनिक कचरा पैदा होता है जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान होता है।

भारत में पर्यावरण मंत्रालय तंबाकू उद्योग को अत्यधिक प्रदूषण कारी उद्योग का दर्जा देता है तो वही बीड़ी उद्योग को कुटीर उद्योग का दर्जा प्राप्त है। तंबाकू निर्माण इकाईयों से पानी दूषित होता है। सेंट्रल टोबैको रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीटीआरआई) के अनुसार आधा हेक्टेयर तंबाकू की फसल ठीक करने के लिए 1 हेक्टेयर जंगल की लकड़ी की आवश्यकता होती है। सीटीआरआई के अनुसार तंबाकू का उत्पादन करीब 3 हजार लाख किलोग्राम है, एक किलोग्राम तंबाकू के उपयोग लायक बनाने के लिए 8 किलोग्राम लकड़ी की आवश्यकता होती है।

एक अनुमान के अनुसार हर वर्ष 24 हजार लाख किलोग्राम लकड़ी तंबाकू ठीक करने हेतु जलती है। 3 सौ सिगरेट तैयार करने के लिए एक पेड़ काटा जाता है। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा तंबाकू उत्पादक देश है यहां का वार्षिक उत्पादन 757.5 हजार मीट्रिक टन है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू छोड़ने का निश्चय करने वालों में से केवल 30% लोग ही तंबाकू छोड़ने के उपाय को अपनाने में सफल होते हैं। एक अनुमान के अनुसार पूरी दुनिया में प्रति 6 सेकंड पर एक व्यक्ति की मौत का कारण तंबाकू होता है। भारत में तंबाकू सेवन करने वालों की संख्या लगभग 27 करोड़ है। ग्लोबल एडल्ट तंबाकू सर्वेक्षण (2016-17) के अनुसार भारत में 42.47% पुरुष तथा 12.24% महिलाएं तंबाकू का प्रयोग करते हैं।

सेकंड हैंड स्मोकिंग जिसमें व्यक्ति स्वयं धूम्रपान नहीं करता किंतु उसके आसपास के

लोगों द्वारा धूम्रपान करने के कारण श्वांस के माध्यम से वे धूम्र ग्रहण करते हैं। सिगरेट व बीड़ी पीने वाले जो धुआं छोड़ते हैं उसमें सामान्य हवा की अपेक्षा 3 गुना ज्यादा निकोटीन, 3 गुना टार एवं 50 गुना अमोनिया होता है।

बच्चों में सेकंड हैंड स्मोकिंग के कारण दिल का दौरा पड़ने या स्ट्रोक का खतरा बहुत अधिक रहता है। इससे महिलाओं में बांझपन का भी खतरा बढ़ जाता है। एक अनुमान के अनुसार भारत में 50% लोग सेकंड हैंड स्मोकिंग के शिकार होते हैं।

तंबाकू का दुष्प्रभाव:

गुर्दे की बीमारी
नेत्र रोग
सांस की समस्याएं
दांतों की समस्या
आंतों में सूजन
त्वचा रोग
कैंसर
उच्च रक्तचाप
दमा

तम्बाकू के जोखिम कारक:

माता-पिता या परिवार के सदस्यों द्वारा तंबाकू का सेवन करना।
पालन-पोषण का अनुचित ढंग
रोल मॉडल के द्वारा तंबाकू का सेवन।
अभिभावकों व शिक्षकों द्वारा बच्चों के प्रति तिरस्कार पूर्ण व्यवहार।
भावनात्मक स्थिरता की कमी।
समायोजन क्षमता की कमी।
मानसिक विकार
पहचान बनाने की त्रुटिपूर्ण अवधारणा
समायोजन की क्षमता में कमी
जागरूकता की कमी
शिक्षा की कमी
सामाजिक सांस्कृतिक प्रथाएं
प्रचार माध्यम
तंबाकू का सर्व सुलभ होना

तंबाकू छोड़ने के उपाय:

सबसे पहले व्यक्ति छोड़ने का पक्का इरादा बनाएं।
अचानक से बंद न करके धीरे-धीरे तंबाकू की मात्रा में कमी करें।
तंबाकू छोड़ने में परिवार और मित्रों का सहयोग ले।
ऐसे लोगों से संपर्क न रखें जो तंबाकू का सेवन करते हैं।
तंबाकू की तलब महसूस होने पर मुंह में पिसी हुई काली मिर्च, लौंग, छोटी इलाची, टॉफी, च्यूइंगम का प्रयोग करें।
अपने पास में तंबाकू कदापि न रखें।
गुनगुने पानी में नींबू का रस व शहद मिलाकर पीने से इसके तलब में कमी आती है
तंबाकू से होने वाली हाँनियों की सूची अपने कमरे में लगाएं।

तंबाकू निषेध से पर्यावरण को लाभ:-

जंगलों का कटान रुकेगा
वायु प्रदूषण कम होगा
जल प्रदूषण कम होने से जल जीवों की रक्षा के साथ- साथ पीने योग्य पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।
कृषि योग्य भूमि की उर्वरा शक्ति बनी रहेगी।
तंबाकू के कचरे से मुक्ति
लोग तंबाकू के कारण होने वाले बीमारियों से बचे रहेंगे

उपचार:

व्यावहारिक मनोचिकित्सा
मनोवैज्ञानिक शिक्षा
अरुचि चिकित्सा
सामाजिक समर्थन
निकोटीन प्रतिस्थापना उपचार

व्यक्ति दृढ़ इच्छाशक्ति, परिवार, मित्रों के सहयोग एवं समर्थन तथा मनोवैज्ञानिकों के उचित परामर्श एवं मनोचिकित्सा तथा आवश्यक होने पर चिकित्सक द्वारा प्रदत्त दवाई लेकर तंबाकू की लत पर आसानी से विजय प्राप्त कर सकता है। आए हम सब विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर यह संकल्प लें की न तंबाकू का सेवन करेंगे और न दूसरों को करने देंगे ताकि हमारी अगली पीढ़ी को खाद्यान्न संकट का सामना न करना पडे।

सरस्वती धानेश्वर, भिलाई, छत्तीसगढ़

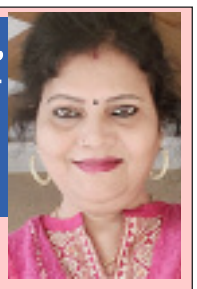

कब आओगे अबकी बार

ठहर जातें हैं अक्सर कदम
उन गलियों में जाकर,
घूम जाती हैं यादें
पदचिन्ह बनकर,
कई हवाओं के झोंके,
स्पर्श कर जाते हैं मेरी रूह को,
वो सूनी पड़ी राहें मांगती हैं
कई गुजरे दिनों का हिसाब !
बिखरी यादों के इर्द-गिर्द कई
विस्तृत छोर अपार ! कैसे खोजूं ?
कहां मिलेंगे ?
पुनः लौटकर बीते वो पल
चिन्ह बारम्बार !
यूंही अक्सर मेरे जेहन में,
आहिस्ता से उभरता है एक ख्याल,
काश कि मैं छू पाती
उन बीते लम्हों के तसव्वुर को,
जो हमेशा के लिए ठहर से गए हैं
मेरी चेतना के प्रांगण में बनकर खुशबू,
अंतहीन आकंठ, बेशुमार !
ढलती शाम की सुहानी डगर,
गुनगुनाहट से वो सुरम्य पल,
लयबद्ध ख़ामोश सी,
मद्धिम सुरों की वो झंकार।
मूक खड़े हैं मोड़ सभी,
ठहरे नैनों की पुकार,
पूछ रहें हैं पलचिन्ह मुझसे
कब आओगे अबकी बार !

वैदेही कोठारी स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखिका

लघुकथा: शर्मसार

दूल्हा-दुल्हन ने भारतीय परिधान धारण किये हुए, शादी में सम्मलित लोग पारम्परिक भारतीय वेशभूषा में ही थे..,रेनाल्ड ने टोनी जिया को अपने पेरेंट्स से मिलवाया, रेनाल्ड की माँ बोली (इंग्लिश)- आपने इंडियन ट्रेडिशनल कपड़े नहीं पहने! हम भारतीय रीति रिवाज़, वैदिक मंत्रो से शादी करने वाले है। यह सुन, टोनी और जिया एक दूसरे का मुंह देखने लगे, मानो उन पर घड़ो पानी पड़ गया हो -शर्मसार हो गए ।

जिया पाश्चात्य रंग में रंगी हुई एक बिगड़ैल लड़की थी। पिता भी उसके पहनावे और व्यवहार को गलत नहीं कहते। किन्तु माँ जरूर हमेशा आपत्ति जताती रहती। लेकिन माँ की सुनता कौन ? घर में माँ पूजा पाठ करती तो वह प्रसाद भी नहीं खाती, क्या मॉम कब तक पुरानी रीति रिवाज़ पूजा पाठ में लगी रहोगी। मुझे पसंद नहीं प्रसाद, मुंह बना कर चली जाती !

माँ जिया को समझाने जाती, पिता तुरंत माँ को चुप करा करा देते।

जिया तैयार होकर माँ से बोली मैं दोस्तों के साथ नाईट पार्टी में जा रही हूँ, माँ उसे देख बोली.., है राम ! इतने छोटे कपड़े..,कुछ तो शर्म करो।

जिया चिढ़ कर बोली !, तुम क्या जानो फैशन ! मुझे तुम्हारे जैसा गँवार नहीं दिखना ! मुंह बना कर चली गई।

जिया के लिए कई लड़को के रिश्ते आए, किन्तु जिया सभी को मना कर देती। मुझे किसी मॉर्डन लड़के से शादी करनी है, न कि किसी रूढ़विादी से जिया का हर लड़के को मना करते देख, आखिर में पिता ने पूछा - तुम्हें कोई लड़का पसंद हो तो बताओ।

हाँ - पापा,

मेरे साथ ही ऑफिस में काम करता है, टोनी

पिता - लेकर आ ओ घर

अगले दिन जिया टोनी को लेकर घर आ गई, रंग गोरा, कसा हुआ डील डोल, गले में मोटी चेन, टाइट टीशर्ट हांथो पर टेटू गुदे हुए, जींस हिल शूज पहने, टोनी हाँथ आगे बढ़ाते हुए बोला - हेलो सर

पिता- हेलो ! अंदर आओ..,।

दोनों परिवारों ने मिल कर विवाह तय कर दिया, किन्तु जिया वैदिक तरीके से विवाह नहीं करना चाहती, वह दोनों तो कोर्ट मैरिज करना चाहते है।

दोनों के पेरेंट्स भी बच्चों की मर्जी में ही...राजी हो गए।

टोनी को अमेरिका की एक कंपनी से नौकरी का ऑफर आया। वह जल्द ही अमेरिका शिफ्ट हो गए..।

कंपनी में टोनी का सहकर्मी रेनाल्ड ने अपनी विवाह पत्रिका टोनी को भी दी।

टोनी ने पत्रिका जिया को बताई, वह फूली नहीं समाई ख़ुश होकर बोली.., वाओ हम यहाँ शादी में शामिल होंगे, यह कहते हुए वह टोनी के गले लग गई, जिया सोचने लगी, कि क्या पहने शादी में..?

यहाँ तो सभी छोटे कपड़े ही पहनते है, शादी वाले दिन उसने भी छोटा सा तंग मिनी स्कर्ट, बड़े गले वाला चमकीला ब्लाउस, ऊँचे सेंडिल, खुले बाल, चेहरे पर डार्क मैकअप कर, शादी में जाने के लिए तैयार हो गई।

वह शादी वाली जगह पहुंचे तो देखतें ही रह गए..!,

वहाँ की सजावट बिलकुल भारतीय संस्कृति को दर्शा रही थी। गेट पर कलश नुमा डिज़ाइन बनी, उस पर फूलों की माला, अंदर पहुंचे तो फेरे वाली जगह पर रंगोली बनी हुई...,हवन और वैदिक विवाह की तैयारी चल रही थी।

दूल्हा-दुल्हन ने भारतीय परिधान धारण किये हुए, शादी में सम्मलित लोग पारम्परिक भारतीय वेशभूषा में ही थे..,रेनाल्ड ने टोनी जिया को अपने पेरेंट्स से मिलवाया, रेनाल्ड की माँ बोली (इंग्लिश)- आपने इंडियन ट्रेडिशनल कपड़े नहीं पहने ! हम भारतीय रीति रिवाज़, वैदिक मंत्रो से शादी करने वाले है।

यह सुन, टोनी और जिया एक दूसरे का मुंह देखने लगे, मानो उन पर घड़ो पानी पड़ गया हो -शर्मसार हो गए।

48 राजस्व कॉलोनी रतलाम (मध्य प्रदेश)

चेतना प्रकाश चितेरी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

घर है तुम्हारा

सँभाल लो ! घर सँवार लो
घर है तुम्हारा।

बड़े नाजुक होते हैं दिल के रिश्ते,
तुम इन्हें निभा लो !
धीरे - धीरे बंद मुट्ठी में
रेत की तरह फिसल जाएगा,
मन में प्रायश्चित के सिवा
कुछ भी नहीं बचेगा,
अपनों से कैसा शिकवा ?

तुम्हारा है परिवार,
तुम इसे बेगाना न समझो !

एक दूसरे से प्रेम कर लो !
चार दिन की है जिंदगानी ,
खाली हाथ आए हैं खाली है जाना
सब कुछ धरा पर रह जाएगा,

सामंजस्य बिठा लो !
मायके से ज्यादा ससुराल है प्यारा,
अपना के देखो तुम एक बार,
प्रेम करते हैं सभी तुमसे,
थोड़ा मान -सम्मान इन्हें देकर देखो,
मोम की तरह हृदय है इनका,
तुम इनकी भावनाओं से खेलना छोड़ो !

सँभाल लो ! सँवार लो, घर है तुम्हारा।

आसान विधि से बनाएं बनारसी दम आलू

बनारस के स्वाद की बात ही कुछ और है। एक बार यहां के जायकों को चखने के बाद सालों तक आप उस स्वाद को भूल नहीं सकते। तो आइए ऐसी ही एक डिश करते हैं ट्राय बनारसी दम आलू।

कितने लोगों के लिए : 4

सामग्री : 10-15 उबले हुए (एकदम छोटे आकार के), 2-3 चम्मच सरसों का तेल, 1 चुटकी हींग, 2 हरे लहसुन की पत्तियां कटी हुई, 1 टीस्पून जीरा, 2 टेबलस्पून धनिया, 1 टीस्पून जीरा, 1 टीस्पून सरसों के दाने, 1 टीस्पून सौंफ, अजवाईन, कलौंजी, 4 से 5 साबूत लाल मिर्च, 1 टीस्पून हल्दी पाउडर, 2 टेबलस्पून अमचूर पाउडर, स्वादानुसार नमक, 2 टेबलस्पून हरी धनिया की पत्तियां

विधि :

- उबले आलूओं से छील लें या फिर ऐसे ही बीच से चीरा लगा।
- एक बड़ी लोहे की कढ़ाही रखें और तेल गर्म करें।
- अब उसमें कटी हुई लहसुन की पत्तियां और हींग डालकर भूनें इसके बाद आलूओं को कढ़ाही में डालकर 15 से 20 मिनट तक भूनें।
- इस समय सभी खड़े मसालों को हल्का गर्म करें और दरदरा पीसकर तैयार करें।
- जब आलू एकदम सुनहरा भून जाए तो उसमें पीसा हुआ मसाला, हल्दी, आमचूर पाउडर और नमक डालकर मिलाएं।
- आलू को मसालों के साथ भी पांच मिनट तक अच्छी तरह से मिलाएं लें।
- अब धनिया पत्ती डालें और हरी चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

स्वादिष्ट आलू-मेथी की सब्जी बनाने के लिए आसान स्टेप्स

टेस्टी आलू-मेथी सब्जी बनाने के लिए ये रेसिपी आजमा सकते हैं। आप इसे पराठे या रोटी के साथ सर्व कर सकते हैं।

कितने लोगों के लिए : 4

सामग्री : 4 आलू, 1 कप कटे हुए मेथी, 3-4 लहसुन की कली, 2-3 हरी मिर्च, 1 टी स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1 टी स्पून गरम मसाला पाउडर, 2-3 चम्मच तेल, स्वादानुसार नमक

विधि : -सबसे पहले आलू धो लें और इसे टुकड़ों में काट लें। अब कढ़ाई में तेल गर्म करें, इसमें मिर्च और लहसुन चटकाएं। फिर कटे हुए आलू और मेंथी डालें। इसे कुछ देर तक पकाएं। जब सब्जी की पानी सूखने लगे, तो नमक और मसाले मिलाएं। कुछ देर तक भून लें, जब आलू पक जाए, तो गैस बंद कर दें।

नया शोध : हार्ट अटैक के बाद अब सेल प्रोग्रामिंग की मदद से दिल को किया जाएगा रिपेयर

वैज्ञानिकों ने सेलुलर प्रोग्रामिंग का लाभ उठाने के लिए प्रोटीन के एक समूह की पहचान की है। जिससे दिल की कोशिकाओं को पहुंचे नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सके। वैज्ञानिकों ने शोध के दौरान पाया कि दिल के दौरे के बाद एक चूहे के दिल को पहुंची चोट की मरम्मत सफल तरीके से कैसे की जा सकती है। अमेरिका के सैनफोर्ड बर्नहैम प्रीबिस में हुई रिसर्च के निष्कर्ष में पाया गया कि इससे हृदय, पार्किंसंस रोग और न्यूरोमस्कुलर बीमारियों सहित कई बीमारियों के उपचार को बदलने में मदद मिल सकती है।

सेलुलर प्रोग्रामिंग क्या है

शरीर की कोशिकाएं चुनी गई जीन्स को चालू और बंद करने की क्षमता रखती हैं। जैसे- वे कैसे दिखते हैं और वह क्या करते हैं, उसे बदलना ही सेलुलर प्रोग्रामिंग का आधार है। यह पुनर्योजी चिकित्सा का एक उभरता हुआ दृष्टिकोण है, जिसमें वैज्ञानिक क्षतिग्रस्त या घायल शरीर के ऊतकों की मरम्मत के लिए कोशिकाओं को बदलते हैं।

सैनफोर्ड बर्नहैम प्रीबिस के असिस्टेंट प्रोफेसर और रिसर्च के लीड लेखक, एलेक्जेंडर कोलास ने बताया कि, हार्ट अटैक के बाद अगर एक व्यक्ति बच भी जाता है, तब भी उसके दिल को भारी नुकसान जरूर पहुंचा होता है, जिसकी वजह से दिल की दूसरी बीमारियों का जोखिम और बढ़ जाता है। उन्होंने कहा, थिअरी में सेलूलर प्रोग्रामिंग, हमें किसी भी कोशिका की गतिविधि और उपस्थिति को नियंत्रित करने का मौका देती है।

यह कॉन्सेप्ट शरीर को खुद को दोबारा ठीक करने में बड़ी मदद प्रदान करता है, लेकिन रीप्रोग्रामिंग तंत्र की बाधाओं ने विज्ञान के लैब से क्लिनिक तक के सफर को रोका हुआ है।

हुई चार चरह के प्रोटीन की पहचान

इस समस्या को हल करने के लिए शोध में चार तरह के प्रोटीन की पहचान की गई, जिसे AJSZ नाम दिया गया है। कोलास ने कहा, इन प्रोटीन्स की एक्टिविटी को ब्लॉक कर, हम दिल को पहुंची चोट को कम कर पाए और दिल के दौरे का शिकार हुए चूहे के दिल के कार्य में 50 फीसदी तक सुधार ला पाए। हालांकि, इस शोध का फोकस दिल की कोशिकाओं पर रहा, लेकिन वैज्ञानिकों को यकीन है कि AJSZ सभी तरह की कोशिकाओं में पाए जा सकते हैं। उन्हें यकीन है कि इस तरीके से कई तरह की बीमारियों का बेहतर इलाज हो सकता है। कोलास ने कहा, यह सफलता इन जबरदस्त जैविक अवधारणाओं को वास्तविक उपचारों में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस शोध का अगला कदम है AJSZ प्रोटीन्स को काम करने से ब्लॉक करने के कई विकल्पों की तलाश करना। अध्ययन के बारे में, कोलास ने कहा, गहरी चोट के बाद दिल को ठीक करने में मदद कर पाना अपने आप में एक महत्वपूर्ण चिकित्सा आवश्यकता है, लेकिन ये निष्कर्ष चिकित्सा में सेल रिप्रोग्रामिंग के बड़े पैमाने में उपयोग के रास्ता को भी बड़ा बनाते हैं।

त्वचा के साथ शरीर के लिए भी फायदेमंद है अनार का जूस, लेकिन बरतें ये सावधानी

गर्मियां शुरू हो गई हैं और इसी के साथ कुछ ठंडा तरल पदार्थ पीने के लिए हमारी चाह भी बढ़ने लगी है। वैसे तो गर्मी में गला तर करने के लिए हम ज्यादातर ठंडी चीज की तलाश करते हैं, स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए हमें अक्सर कोशिश करनी चाहिए कि हम फल के जूस का ही सेवन करें। हमें ऐसे लिक्विड चीजों की तलाश करनी चाहिए जो हमारे समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद कर सके। अगर आप भी ऐसा ही कुछ ढूंढ रहे हैं, तो अनार का जूस एक बढ़िया ऑप्शन हो सकता है, जिसके एक या दो नहीं बल्कि कई सारे फायदे हैं। यह आवश्यक पोषक तत्वों और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है और इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। चलिए जानते हैं अनार का जूस पीने के फायदे के बारे में-

अनार के जूस के फायदे-

1. वजन घटाने में मददगार

अनार का जूस वजन कम करने में आपकी मदद कर सकता है। अनार पॉलीफेनोल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, ये सभी आपको मेटाबॉलिज्म बढ़ाने और फैट बर्न करने में मदद करते हैं। यह आपकी भूख को दबा कर आपको लंबे समय तक भरा हुआ भी महसूस करवाते हैं। कोशिश करें इसे अपने मीठे पेय पदार्थों से बदलें क्योंकि उससे आपका तेजी से वजन बढ़ सकता है।

2. पाचन में सहायक

अनार का रस आपके पाचन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और पाचन संबंधी समस्याओं, जैसे कि सूजन आंत्र रोग का इलाज करने में मदद कर सकता है। अनार में मौजूद यौगिक आपकी आंत के लिए अच्छे बैक्टीरिया को प्रोत्साहित कर सकते हैं और पाचन तंत्र में जलन की समस्या को कम कर सकते हैं।

3. कैंसर रोधी गुण होते हैं

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) के अनुसार, अनार प्रोस्टेट कैंसर को रोकने या उसका इलाज करने में मदद कर सकता है। कई टेस्ट-ट्यूब शोधों के अनुसार, अनार के रस में ऐसे रसायन होते हैं जो या तो कैंसर कोशिकाओं को मारने में मदद कर सकते हैं या शरीर में उनकी वृद्धि को धीमा कर सकते हैं।

4. हृदय स्वास्थ्य में सुधार करता है

अनार के रस का सेवन आपके हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है और स्ट्रोक और दिल के दौरे जैसी स्वास्थ्य स्थितियों के विकास के जोखिम को रोक सकता है। अनार के अर्क में ऐसे यौगिक होते हैं जो रक्तचाप को कम कर सकते हैं, धमनी की सूजन को कम कर सकते हैं, दिल से संबंधित सीने में दर्द में सुधार कर सकते हैं और पट्टिका के विकास को रोक सकते हैं और नतीजतन दिल का दौरा और स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है।

5. शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट

क्या आप जानते हैं कि ग्रीन टी की तुलना में अनार के रस में तीन गुना अधिक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। यह एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है क्योंकि इसमें पॉलीफेनोल्स होते हैं जो आपके शरीर को मुक्त कणों से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं।

6. गठिया का प्रबंधन करें

अनार का जूस अपने एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण गठिया को प्रबंधित करने और जोड़ों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद कर सकता है। अनार में मौजूद तत्व ऑस्टियोआर्थराइटिस पैदा करने वाले एंजाइम को रोक सकते हैं।

7. त्वचा के लिए अच्छा है

आपकी त्वचा हानिकारक यौगिकों, प्रदूषण और सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) किरणों के संपर्क में आती है, जिससे उन्हें काफी नुकसान पहुंचता है। अनार के जूस का सेवन आपकी त्वचा को यूवी किरणों से बचाने में मदद कर सकता है क्योंकि यह त्वचा में जहरीले यौगिकों के उत्पादन को रोकने में मदद करता है।

8. मूत्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है

अनार का रस आपके मूत्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और गुर्दे की पथरी को रोकने में मदद कर सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, अनार का अर्क अपनी एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि के कारण गुर्दे की पथरी के विकास को रोकने में मदद कर सकता है।

अनार के जूस के साइड इफेक्ट

हर अच्छी चीज के साथ कुछ बुराई भी छिपी होती है। अनार के रस में भी कई स्वास्थ्य लाभों के साथ कुछ साइड इफेक्ट्स हैं। इसलिए इससे बचने के लिए कम मात्रा में इसका सेवन करें। इसके अलावा, जिन लोगों को अनार से एलर्जी है, उन्हें इस जूस को पीने से बचना चाहिए। वहीं अगर आपकी दवाइयां चल रही हैं या फिर आप डाइटिंग कर रहे हैं, तो इसे अपने आहार में शामिल करने से पहले अपने चिकित्सक से सलाह जरूर लें।

BNM Fantasy

Friday
27 October 2023

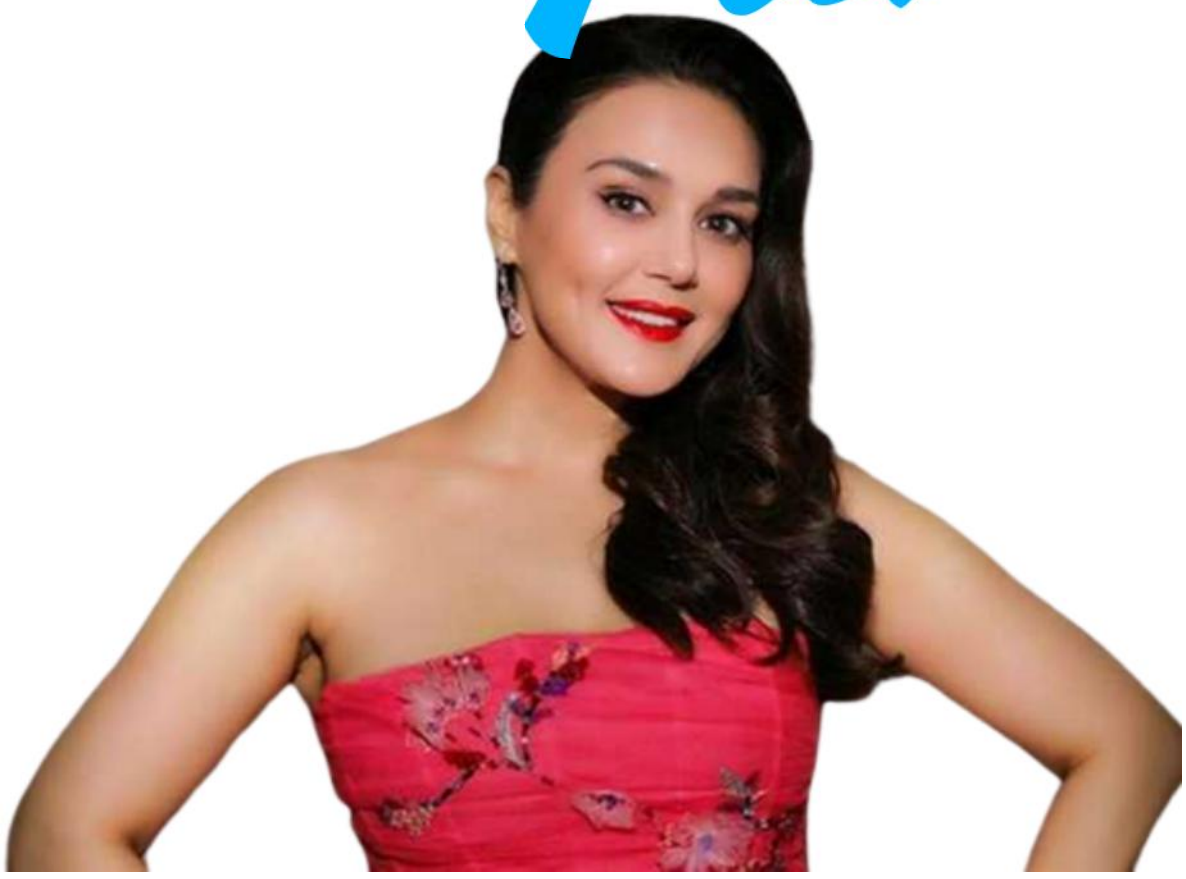

प्रीति जिंटा ने मुंबई खरीदा आलीशान घर

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने मुंबई के बांद्रा के पाली हिल इलाके में एक आलीशान घर खरीदा है। मालूम हो कि इस घर की कुल कीमत करीब 17.01 करोड़ रुपये है। पाली हिल के पॉश इलाके में स्थित इस आलीशान घर का क्षेत्रफल 1474 वर्ग फुट और दो आरक्षित पार्किंग स्थल हैं। प्रीति जिंटा ने यह घर 'कीस्टोन रियलटर्स लिमिटेड' से खरीदा है और इसका दस्तावेज 23 अक्टूबर को रजिस्टर किया गया है। दस्तावेजों से पता चला है कि घर खरीदते समय प्रीति जिंटा ने करीब 85.08 लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी चुकाई है।

तापसी पन्नू ने बॉलीवुड के 'स्टार सिस्टम' पर दिखाई नाराजगी

बतौर प्रोड्यूसर अपनी दूसरी फिल्म 'धक धक' की वजह से तापसी पन्नू इस समय चर्चा में है। उन्होंने फिल्म की प्रमोशन स्ट्रैटेजी से नाराजगी दिखाते हुए इस फिल्म का प्रमोशन न करने का फैसला किया है। चूंकि तापसी इस फिल्म के मेकर्स से भी खफा हैं, क्योंकि उन्हें इस फिल्म पर ज्यादा भरोसा नहीं है। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में मसाला फिल्में करने के बाद तापसी ने बॉलीवुड में कदम रखा और अपनी लोकप्रियता में इजाफा किया। एक्टिंग के साथ-साथ तापसी ने प्रोड्यूसर के तौर पर भी काम करना शुरू कर दिया। मीडिया से बातचीत के दौरान तापसी ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि उनकी फिल्म शाहरुख खान की 'जवान' जितनी बड़ी नहीं होगी, लेकिन ऐसी छोटी फिल्मों को भी उचित अवसर और प्रोत्साहन मिलना चाहिए। इसके साथ ही तापसी ने इंडस्ट्री के 'स्टार सिस्टम' पर भी कमेंट किया। तापसी ने बताया कि यह सब 'स्टार सिस्टम' पर ही निर्भर करता है, जो ओटीटी के आने के बावजूद अभी भी मौजूद है। एक्ट्रेस ने कहा कि इसके लिए इसमें शामिल हर व्यक्ति को दोषी ठहराया जाना चाहिए। इसमें एक्टर, स्टूडियो, दर्शक, हर कोई शामिल है। यह फिल्म इंडस्ट्री के लिए नुकसानदायक है, क्योंकि आप केवल बड़े नामों को ही सक्षम बना रहे हैं, तो बाकियों को मौका कैसे मिलेगा? इससे एक्टर्स और स्टार्स के बीच दूरियां ही बढ़ेंगी। तापसी की फिल्म 'धक धक' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। यह चार महिलाओं की दोस्ती और आत्म-खोज की कहानी है।

आमिर खान की आगामी फिल्म 'सितारे जमीन पर

में जेनेलिया देशमुख की एंट्री

दर्शक इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि आमिर कब एक्टिंग में वापसी करेंगे। ऐसे में हाल ही में खबर सामने आई कि आमिर जल्द ही फिल्म 'सितारे जमीन पर' को प्रोड्यूस करने वाले हैं। यह भी साफ हो गया कि वह इसमें एक्टिंग करते नजर आएंगे। आमिर ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। आमिर ने ये भी दावा किया कि ये फिल्म 'तारे जमीं पर' से 10 कदम आगे होगी। अब इस फिल्म को लेकर एक और नई अपडेट सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 'सितारे जमीन पर' में आमिर खान के साथ जेनेलिया देशमुख मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। आमिर के मुताबिक जेनेलिया इस रोल के लिए परफेक्ट हैं और कहा जा रहा है कि आमिर ने उनसे चर्चा के बाद ही इस रोल के लिए जेनेलिया को चुना। फिल्म में जेनेलिया आमिर की प्रेमिका के रूप में नजर आएंगी। जेनेलिया देशमुख ने आमिर खान द्वारा निर्मित फिल्म 'जाने तू या जाने ना' में अभिनय किया था। जेनेलिया भी आमिर के साथ पर्दे पर काम करने को लेकर काफी उत्साहित हैं। जेनेलिया हाल ही में अपने पति रितेश देशमुख की फिल्म 'वेड' में नजर आईं और उन्होंने मराठी में डेब्यू किया। अब सबकी नजर इस बात पर है कि आमिर की फिल्म में उनका रोल असल में कैसा होगा। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान आखिरी बार फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी। सोशल मीडिया पर बायकॉट ट्रेंड से फिल्म को काफी नुकसान हुआ। इसके बाद आमिर ने एक्टिंग से ब्रेक लेने का ऐलान कर दिया और उन्होंने ये भी साफ कर दिया कि अब वो सिर्फ फिल्में प्रोड्यूस करेंगे।